रात्रि क्लास 14-8-68 ओमशान्ति शिव बाबा याद है?

बच्चे बाप के आते हैं रिफ्रेश होने क्योंकि यहां वायुमंडल बहुत ही शुद्ध है। वहां तो बहुत ही गोरखधंधा आ है। और सभी ब्राह्मण ही हैं। दूसरे जात का कोई है नहीं। पवित्रता भी है। बाहर का वायुमंडल बहुत ही छीछी है। फिर भी कहते हैं बाबा आओ। है भी बहुत सहज। सभी को कहो भगवानुवाच काम महाशत्रु है। इस पर जीत पहनी तो सारे विश्व का मालिक बन जावेंगे। और तुम कल्प2 ऐसे बनते आये हो। यह निशानी देते हैं ना। कहेंगे यह तो ठीक कहते हैं। काम को जीतो तो जगतजीत बनेंगे। और कोई होंगे ही नहीं। तुम जब थे तो और थे ही नहीं। भगवानुवाच कह रहे हैं ना। भगवान बाप कहते हैं। मनुष्य को भगवान नहीं कह सकते हैं: भगवान बच्चों को कहते हैं। सभी ब्रदर्स हैं। बाप एक है भगवान। वही कहते हैं। ब्रदर्स निराकार हैं तो बाप भी निराकार है। अभी ब्रदर्स शरीर में हैं। तो बाप को भी शरीर द्वारा सुनाना पड़े। भगवान आते हैं तो नई दुनिया भी चाहिए। जगत में पवित्र रहेंगे। बाप हर 5000 वर्ष बाद भारत को स्वर्ग बनाते हैं। फिर रावण आकर नर्क बनाता है। बेहद का बाप शरीर द्वारा ही सुनाते हैं। तुम भी शरीर द्वारा ही सुनते हो। ऐसे2 समझाने से ही तीर लगेगा। योगी अवस्था की यह पक्की आदत चाहिए। हो सकता है। योगबल होता है। फिर आगे चल तुम्हारी सर्विस भी छलांग भरेगी। समझाना ऐसा चाहिए जो कोई भी ऐसा समझे बराबर ठीक कहते हैं। यह अथाह दुःखों की दुनिया है। सभी को कहना चाहिए भगवानुवाच सभी पतित हैं। भगवान मनुष्य को नहीं कहा जाता। भगवान कहते हैं तुम आत्मायें भाई2 हो। तुम लोगों ने भगवान को ठिक्कर भित्तर में डाल दिया है। इन भक्ति मार्ग के शास्त्रों से झूठी2 बातें सुनते 2 भारत झूठ खण्ड बन गया है। फिर बाप सच्च खण्ड बनाते हैं। इसलिए कहते हैं पवित्र बनो। पतित दुनिया में दुःख ही दुःख है। पावन दुनिया नई दुनिया ही हो सकती है। यह है ही तमोप्रधान दुनिया। सभी पतित हैं। पतित दुनिया में पावन एक भी नहीं होता। इस राज़ को समझो। मौत आया कि आया। भगवानुवाचः तुमने बुलाया है। अभी बाप कहते हैं पावन बनो। मुझे याद करो तो सतोप्रधान बन जावेंगे। अथार्टी बनकर बैठना चाहिए बच्चों को। अभी अथार्टी हो नहीं बैठते हैं। कोई को प्रश्न उठ ही न सके। बाप कहते हैं यहां तो अथाह दुःख है। एक दो को बहुत दुःख देते हैं। अभी पवित्र बनो। तमोप्रधान बनने से ही अपार दुःख मिली है। फिर बाप को याद करो तो पाप कटे। फिर सतोप्रधान बन जावेंगे। बाप रोज2 समझाते तो बहुत हैं। भगवानुवाच यह है वेश्यालय। वह है शिवालय। भगवान नई पवित्र दुनिया स्थापन करते हैं। रावण आकर अपवित्र बनाता है। अभी सभी नर्कवासी विकारी दुर्गति को पाये हुये हैं। तब तो इतना दुःख है। दुर्गति कहा जाता है अपार दुःख को। यह है पुरुषोत्तम संगम युग। बाकी इन कानफ्रेन्स आदि कुछ भी होने को नहीं हैं। रिलीजियस कानफ्रेन्स आदि करते रहते हैं। परन्तु एमआबजेक्ट क्या है। भारत पवित्र था तो विश्व में शान्ति थी। अभी अपवित्र बनी है तो अशान्ति है। भगवान के सिवाय अपार सुख शान्ति कोई दे नहीं सकते। साधु महात्मा जरा भी नहीं दे सकते। बाप बाप है। वह भाई2 हैं। बाप कहते हैं मुझे याद करो तो तुम पावन बन जावेंगे। पावन दुनिया का मालिक बन जावेंगे। हम भगवान के मैसेन्जर हैं। बाप यहां ही है तो हमको पैगाम देते हैं। जरूर रथ द्वारा ही पैगाम देते हैं। कहते हैं मामेकं याद करो तो तमोप्रधान से सतोप्रधान बन जावेंगे। मूल बात है यह। जो किसको भी समझाना सहज है।

तुमने कन्ट्रक्ट उठाया है बाबा हम विश्व में शान्ति स्थापन करेंगे। तो कब कोई को अशान्ति न फैलाना चाहिए। उनको फिर इस दुनिया का नहीं कहेंगे। कोई भी कुछ कहे तो उस जगह से हट जाना चाहिए। यह भी भूत है ना। तो दोनों में भूत आ जाता है। बहुत ही पुराना जन्म-जन्मान्तर का भूत है। बाप आये हैं भूतों से बचाने। अशान्ति का भूत देख किनारा कर देना चाहिए। कोई में भी भूत आता है तो बाप को बताना है। क्रोधका भूत है तो अशान्ति फैलाते हैं। उनको साहब जादा भी न कहना चाहिए। बाप विश्व में शान्ति स्थापन करने आते हैं बच्चों द्वारा तो बच्चों को भी शान्त में रहना चाहिए। तब ऊंच पद पा सकेंगे। अच्छा बच्चों को गुडनाइट।